यीशु को क्रूस पर दी गई स्पंज और सिरका — इसका क्या मतलब था?

प्रश्न: जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया, तो उन्हें जो स्पंज और सिरका दिया गया, वह क्या था? और सैनिकों ने ऐसा क्यों किया?

उत्तर:

आइए सबसे पहले इस घटना को यूहन्ना रचित सुसमाचार से पढ़ते हैं:

यूहन्ना 19:28–30 (ERV-HI)
“इसके बाद यीशु ने यह जानते हुए कि अब सब कुछ पूरा हो चुका
है, ताकि शास्त्र की बात पूरी हो, कहा, “मैं प्यासा हूँ।”
वहाँ सिरका से भरा एक बर्तन रखा हुआ था। इसलिए उन्होंने
सिरका में भिगोया हुआ एक स्पंज इसोप की डाली पर रखकर उसके मुँह से लगाया। जब यीशु ने वह सिरका लिया तो कहा, “पूरा
हुआ।” फिर उसने सिर झुकाया और प्राण त्याग दिए।”

1. स्पंज क्या होता है?

अगर हम स्वाहिली बाइबिल देखें तो वहाँ “सिफोंगो” शब्द आता है, जो अंग्रेज़ी के “sponge” का ही रूप है। हमारे देश में लोग इसे स्पोंजी या स्पोंची भी बोलते हैं।

यीशु को क्रूस पर दी गई स्पंज और सिरका — इसका क्या मतलब था?

प्राचीन समय में समुद्र में पाए जाने वाले प्राकृतिक स्पंज का इस्तेमाल आम था। ये स्पंज मुलायम, छिद्रदार होते थे और पानी या कोई भी तरल आसानी से सोख लेते थे। यूहन्ना 19 में जिस स्पंज की बात है, वो आज के कृत्रिम स्पंज जैसा नहीं था, बल्कि एक प्राकृतिक चीज थी जो रोमन सैनिकों को उपलब्ध रही होगी।

2. बाइबिल में जो ‘सिरका’ आया है, वह क्या था?

यहाँ जो “सिरका” शब्द है (यूहन्ना 19:29), वह दरअसल एक तरह की खट्टी दाखरस या सस्ती शराब थी जिसे रोमी सैनिक पिया करते थे। यह आज के चटपटे सिरके जैसा तीखा तरल नहीं था, बल्कि पानी में मिलाया गया एक सस्ता खट्टा पेय था जिसे पोसका कहा जाता था।

लेकिन इसका आत्मिक महत्व गहरा है:

भविष्यवाणी की पूर्ति:
भजन संहिता 69:21 कहती है:
“उन्होंने मेरे खाने में ज़हर मिलाया, और मेरी प्यास
बुझाने के लिये मुझे सिरका पिलाया।”
(भजन संहिता 69:21, ERV-HI)

जब यीशु ने कहा “मैं प्यासा हूँ,” और सैनिकों ने उन्हें सिरका

यीशु को क्रूस पर दी गई स्पंज और सिरका — इसका क्या मतलब था?

दिया, तो यह इस भविष्यवाणी की सीधी पूर्ति थी — यह दिखाता है कि परमेश्वर की योजना पहले से तय थी और यीशु वही मसीह हैं जिनके बारे में भविष्यवाणी की गई थी।

यीशु की मानवता का प्रमाण:
“मैं प्यासा हूँ” — यह वचन बहुत सरल लगता है, लेकिन इसमें बहुत गहराई है। यह दर्शाता है कि यीशु, जो परमेश्वर हैं, हमारे समान देहधारी भी बने। उन्होंने वास्तव में पीड़ा सही, शरीर की कमजोरी सही — और यह उनकी सच्ची मानवता को प्रकट करता है।

“पूरा हुआ” — उद्धार की योजना का समापन:
जब उन्होंने सिरका लिया, तब उन्होंने कहा, “पूरा हुआ।”
यूनानी में यह शब्द है Tetelestai, जिसका अर्थ है: “कर्ज़ चुका दिया गया।”
यह वही क्षण था जब उन्होंने हमारे पापों का दंड पूरी तरह से चुका दिया (रोमियों 3:25–26 देखें)। न्याय की माँग पूरी हो गई थी। उद्धार अब उपलब्ध था।

3. सैनिकों ने सिरका में भीगा स्पंज क्यों दिया?

उन्होंने वह स्पंज एक इसोप (Hyssop) की डाली पर रखकर दिया। अब यह कोई संयोग नहीं था।

इसोप का प्रतीकात्मक अर्थ:
इसोप पुराने नियम में प्रयोग होता था — जैसे फसह की रात, जब इसोप से मेम्ने का लहू दरवाजों पर लगाया गया था (निर्गमन 12:22)।
भजन 51:7 में दाऊद कहता है, “इसोप से मुझे छिड़क और मैं शुद्ध हो जाऊँगा।”

अब वही इसोप, मसीह को दिया जा रहा है — क्योंकि वह स्वयं फसह का सच्चा मेम्ना है (1 कुरिन्थियों 5:7)। जैसे उस समय लहू ने लोगों को मृत्यु से बचाया, वैसे ही अब यीशु का बलिदान हमें पाप

यीशु को क्रूस पर दी गई स्पंज और सिरका — इसका क्या मतलब था?

से बचाता है।

व्यवहारिक या व्यंग्यात्मक कार्य?
शायद सैनिकों ने उसे तिरस्कार करते हुए यह खट्टा पेय दिया, या शायद शारीरिक पीड़ा के कारण दिया। पर जो भी कारण रहा हो, परमेश्वर ने उसका उपयोग शास्त्र की पूर्ति और अपने पुत्र की पहचान प्रकट करने के लिए किया — जैसे यशायाह 53:3–5 में लिखा है, “वह दुःख का आदमी था, रोग से भरा हुआ…”

निष्कर्ष:

यीशु के क्रूस पर बोले गए ये शब्द —
“मैं प्यासा हूँ” और “पूरा हुआ”,
स्पंज, खट्टी दाखरस और इसोप की डाली —
ये सब छोटी-छोटी घटनाएँ नहीं थीं।
इन सबके पीछे परमेश्वर की महान योजना, मसीह की पहचान, और हमारी मुक्ति की सच्चाई छिपी है।

यह हमें दिखाता है:

कि यीशु ने हर भविष्यवाणी को पूरा किया
कि वह सच्चे अर्थों में मनुष्य बने और हमारे समान पीड़ा सही
कि वह बलिदानी मेम्ना थे
और कि उद्धार की योजना क्रूस पर पूरा हो गई

इस घटना के द्वारा उद्धार का मार्ग सबके लिए खुल गया जो उस पर

यीशु को क्रूस पर दी गई स्पंज और सिरका — इसका क्या मतलब था?

विश्वास करते हैं।

प्रभु आपको अपनी समझ में बढ़ाए और अपने वचन की सच्चाई में गहराई से ले जाए।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp